हरी भरी वादी में, सिर चकरा देने वाली ''हाईकू स्टैयर्स'' को स्वर्ग की सीढ़ी भी कहते हैं। रोमांच के शौकीन लोग जब ''हवाई'' की इस पर्वत श्रृंखला को पार करते हैं तो कई बार ऐसा लगता है मानों बादलों पर चल रहे हैं। ''प्रवेश निषेध'' तथा फाइन की चेतावनियों के बावजूद हाइकर्स को 3922 स्टैप्स चढ़ने से कोई नहीं रोक पाता है। लेकिन यह निषिद्ध रास्ता अब शायद अपने अंतिम ''स्टैप'' के करीब पहुँच रहा है। यहाँ के मेयर ने सीढ़ियों को हटाने का आदेश दे दिया है। स्टील से बनी, सीधी खड़ी ये सीढ़ियाँ, हवाई के ओआहू द्वीप पर यू.एस. नेवी कम्युनिकेशन्स फैसिलिटी के लिए बनाई गई थीं। इसके 3922 स्टैप्स (पायदान) द्वीप की कोओलाऊ पर्वत श्रृंखला पर फैले हैं। इस रास्ते को हाइकिंग ट्रेल के रुप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन अब जनता के लिए इसे बंद कर दिया गया है। सन् 1942 में यू.एस. नेवी के लिए काम कर रहे कॉन्ट्रैक्टर्स ने, टॉप सीक्रेट फैसिलिटी, हाईकू रेडियो स्टेशन का निर्माण शुरु किया। इस स्टेशन का उपयोग, पसिफिक में कार्यरत, नेवी के जहाजों को सिग्नल भेजने के लिए किया जाना था। रेडियो स्टेशन तक पहुँचने के लिए बनी ये सीढ़ियाँ पहले लकड़ी की थीं, फिर 1950 के मध्य में लकड़ी की जगह मैटल के स्टैप्स और रैम्प लगाए गए। 1970 के दशक में कोस्ट गार्ड ने लोगों को यहाँ आने की अनुमति दे दी थी, परन्तु 1987 में विभिन्न कारणों से स्टेशन व सीढ़ियाँ जनता के लिए बंद कर दी गईं। फिर, सन् 2003 में, जनता के लिए सीढ़ियाँ खोलने की योजना बनी और 875,000 डॉलर खर्च करके इनकी मरम्मत करवाई गई। सीढ़ियों तक जनता की पहुँच को लेकर काफी लंबे समय तक विवाद चला। हर तरह से ये सीढ़ियाँ सिटी काउन्सिल के लिए समस्या बनी हुई थीं। स्थानीय जनता इनके विरुद्ध थी, क्योंकि प्रतिबंधों के बावजूद जांबाज़ों का यहाँ आना बंद नहीं हुआ था, जिससे काफी समस्याएं पैदा हो रही थीं। फिर बोर्ड ऑफ वॉटर सप्लाई ने भी पर्यावरण को प्रभावित करने वाला वक्तव्य दिया। अंततः सितम्बर 2021 में सीढ़ियों को हटाने का निर्णय लिया गया।

चीन में पहाड़ी से टकराकर प्लेन क्रैश, 132 लोगों के मरने की आशंका

हादसा इतना भीषण था कि, जहां विमान गिरा, उस पहाड़ पर आग लग गई, चीन के मीडिया का कहना है कि, इस हादसे में किसी का भी जिंदा बचना संभव नहीं लग रहा है

- **अब तक इस हादसे के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है कि, हादसे के पीछे वजह क्या थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वैबसाइट ''फ्लाइट रडार-24'' के मुताबिक यह विमान 31,000 फुट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा था।**
- **चीन के उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि, विमान जब वुझोउ शहर के ऊपर था, तब उससे संपर्क टूट गया था। इस विमान ने दोपहर 1:11 बजे उड़ान भरी थी और उसे 3 बजकर 5 मिनट पर ग्वांगझू में लैण्ड करना था।**

बीजिंग, 21 मार्च। चीन में सोमवार दोपहर को हुए प्लेन क्रैश में विमान में सवार सभी 132 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल चीनी अथॉरिटीज़ ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन अब तक कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। हादसा इतना भीषण था कि जहां विमान गिरा, उस पहाड़ पर आग लग गई। चीनी मीडिया का कहना है कि इस हादसे में किसी का भी जिंदा बच पाना मुश्किल लग रहा है। इस घटना पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गहरा दुख जताया है और मामले की जांच का आदेश दिया है। यह विमान चीन के युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग से उड़ान भरकर ग्वांगझू के लिए रवाना हुआ था, जो हॉन्गकॉन्ग के नजदीक है।

अब तक इस हादसे के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है कि इसकी वजह क्या थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट राडार 24 के मुताबिक यह विमान 31,000 फुट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा था। एक बयान में चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने कहा कि यही पुष्टि की जा सकती है कि विमान क्रैश हो गया।

फिलहाल इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि विमान के परखच्चे उड़ गए और बांस के पेड़ों में भीषण आग लग गई। फिलहाल मलबे में लोगों को तलाशा जा रहा है, लेकिन किसी के भी जीवित पाए जाने की संभावना नहीं है।

एयरलाइन कंपनी और चीन के उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि विमान जब वुझोउ शहर के ऊपर था, तब उससे संपर्क टूट गया था।

इस विमान ने दोपहर 1:11 बजे उड़ान भरी थी और उसे 3 बजकर 5 मिनट पर ग्वांगझू में लैण्ड करना था। लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि वह इस हादसे की खबर से हैरान और दुखी हैं। उन्होंने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच का आदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों को बचाने की हर संभावना पर काम होना चाहिए और यह भी पता लगाना जरूरी है कि आखिर यह घटना क्यों हुई।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय बैठकें

- **प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन के बीच वर्चुअल मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी।**

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ सोमवार को दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों की विस्तार से समीक्षा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाओं पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेता भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक भागीदारी के तहत वार्षिक शिखर बैठक की व्यवस्था पर सहमत हुए और इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक नया आयाम निरुपित किया। भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर बैठक के तहत दोनों नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत की। यह दोनों प्रधानमंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दूसरी शिखर वार्ता थी। पहली आभासी बैठक 2020 में हुयी थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार मोदी और मॉरिसन ने पिछली आभासी बैठक के समय स्थापित भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक भागीदारी की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस भागीदारी के तहत दोनों पक्ष व्यापार और निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, शिक्षा एवं नवप्रवर्तन, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन, नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, कोविड-19 से संबंधित अनुसंधान एवं अन्य क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं।

क्रिकेटर हरभजन सिंह व दो उद्योगपतियों को राज्यसभा भेजेगी आप

कारोबारी संजीव अरोड़ा और लवली प्रोफैशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल सहित पांच लोगों ने राज्यसभा नामांकन दाखिल किये

- **पंजाब में आप पार्टी को प्रचंड बहुमत प्राप्त है तथा आप पार्टी के पांचों राज्यसभा उम्मीदवारों को जीतना इसलिए भी बिल्कुल तय माना जा रहा है, क्योंकि विपक्ष की ओर से कोई भी नामांकन नहीं भरा गया है।**

चंडीगढ़, 21 मार्च (वार्ता)। पंजाब विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की पांच राज्य सभा सीटों पर आज पंजाब मामलों के प्रभारी राघव चड्ढा, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, आप नेता संदीप पाठक, कारोबारी संजीव अरोड़ा और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल ने नामांकन भरे।

मुख्यमंत्री भगवंत मान और मंत्री हरपाल चीमा सहित आप के कई नेताओं की मौजूदगी में इन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र भरे। विपक्ष की ओर से कोई नामांकन पत्र न भरे जाने से इन सभी का निर्विरोध चुना जाना तय है।

नामांकन पत्र भरने विधानसभा पहुंचे चड्ढा ने कहा कि वह पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का शुक्रिया अदा करते हैं। वह राज्य सभा में भी लोगों के मुद्दे उठायेंगे। विपक्ष की ओर से उन्हें राज्य सभा भेजे जाने का विरोध करने पर उन्होंने कहा कि आज शुभ दिन है और ऐसे मौके पर वह नकारात्मक बात नहीं करना चाहते।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने उन्हें जो मौका दिया है, उसे वह पूरी निष्ठा से निभायेंगे। राज्य सभा में खेल से जुड़े मुद्दे पुरजोर तरीके से उठायेंगे। हिन्दुस्तान की आबादी को देखते हुये ओलंपिक में करीब दो सौ पदक आने चाहिए लेकिन देश दहाई के आंकड़े तक ही सीमित रह जाता है। ऐसे में उनकी कोशिश होगी कि देश तथा पंजाब में खेलों को बढ़ावा दिया जाये।

पंजाब की कानून-व्यवस्था तथा नशीले पदार्थों के बारे में पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आप की सरकार पूरी गंभीरता से काम करेगी। उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरे दिल से निभायेंगे।

दूसरी ओर कांग्रेस नेता सुखपाल खेहरा तथा अमरिंदर राजा वड़िंग ने चड्ढा तथा पाठक को राज्य सभा भेजे जाने पर सवाल खड़े करते हुये कहा कि वे मुख्यमंत्री को इस बारे में पत्र लिखकर पार्टी के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करेंगे।

कांग्रेस विधायक एवं राज्य सभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि पंजाब में खाली होने जा रही राज्य सभा की सीटों पर किसे भेजना है यह तय करना आप पार्टी का विशेषाधिकार है। इस पर बेवजह ऐतराज नहीं करना चाहिए।

शराब बिक्री की प्रधानमंत्री से शिकायत

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली के न्यू महावीर नगर के निवासियों ने इलाके में अवैध शराब की बिक्री को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायत सौंपी है। उनका कहना है कि शराब माफियाओं से निवासियों में भय है और इस अवैध कारोबार से लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। निवासियों की ओर से शिकायतकर्ता वीरेंद्र कुमार भल्ला ने सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे पत्र में लिखा, पश्चिमी दिल्ली के डब्लूजेड 19 ए गली नंबर-16, न्यू महावीर नगर में अवैध शराब की बिक्री होती है। शराब बेचने के लिए गली में अवैध निर्माण कराया गया है। इसी गली में स्कूल भी है और यहां शराबियों के आने-जाने से स्कूली बच्चों में डर का माहौल है। गली नंबर 16 के ठीक पास गली नंबर आठ है, जहां एक गुरूद्वारा है, जिससे धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। शराब की अवैध बिक्री होने के कारण स्थानीय लोगों को दूसरे गली से होकर गुजरना पड़ता है।

बेताल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और वहां की सेना की क्षमता का आकलन करने का जिम्मेवार था।''

जब से यूक्रेन पर हमला बोला गया है, तब से पुतिन को हत्या या अन्य तरीकों से सत्ता से जबरन बाहर किए जाने की संभावनाओं पर विश्व स्तर पर चर्चाएं चलती रही हैं। इस संघर्ष ने यूक्रेन के लोगों का भारी नुकसान किया है और रूस के विरूद्ध लगाए गए भारी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, विवादित ही सही किन्तु ऐसी धारणा ने तूल पकड़ लिया है।

साउथ कैरोलाइना से रिपब्लिकन पार्टी की सीनेटर लिंडसे ग्राहम को हाल ही में जबर्दस्त आलोचना झेलनी पड़ी क्योंकि वे बार-बार यह इंगित कर रही थीं कि यूक्रेन संघर्ष का खात्मा करने के लिए पुतिन की हत्या कर देनी चाहिए।

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इस प्रकार का शब्दाडम्बर इस विचार को मजबूती प्रदान करते हैं कि अमेरिका सरकार इस प्रतिरोधी धारणा का समर्थन करती है।

ग्राहम ने गत 3 मार्च को ट्वीट किया था कि ''युद्ध समाप्त करने का एक ही तरीका है कि रूस का कोई व्यक्ति इस आदमी को हटा दे। इससे आप अपने देश और विश्व की एक महान सेवा करेंगे।''

वाइट हाउस की प्रैस सचिव जेन साकी ने उनके विचारों का कड़ा विरोध करेत हुए अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त किया कि बाइडन सरकार ऐसी किसी कार्रवाई की पक्षधर नहीं है।

ग्राहम के ट्वीट के एक दिन बाद साकी ने पत्रकारों से कहा कि ''यह रूख अमेरिकी सरकार का नहीं है और निश्चित रूप से ऐसा कोई बयान नहीं है जो आपको बाइडन सरकार में कार्यरत किसी व्यक्ति के मुंह से सुनने को मिले।''

'मामला केन्द्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़े सभी प्रमुख नेता लगातार इस मामले को उठा रहे हैं। आलम यह रहा कि आज सदन में इस मामले को उठाने की रणनीति बना ली गई, लेकिन स्पीकर ने सदन में जवाब देकर इस पूरे घटना की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर डालते हुए सदन में चर्चा से इंकार कर दिया।

भाजपा सुनियोजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहा है कि नेताओं का एक समूह, जिनमें से ज्यादातर लोगों की प्रतिष्ठा का श्रेय नेहरू-गांधी परिवार को जाता है, आरामदेह कमरो में बैठकर मीडिया से बात कर रहे हैं। ये नेता ज़मीनी स्तर पर या जनता के बीच कभी सक्रिय नहीं रहे तथा इसीलिये, उन्हें प्रत्यक्ष चुनाव लड़ने में बहुत मुश्किलें आयेगी तथा उनके लिये चुनाव लड़ पाना ही असम्भव हैं।

यह महसूस करने की जरूरत है कि पार्टी के कायाकल्प तथा बने रहने के लिये जहाँ ज़मीनी लड़ाई लड़नी होगी, वहीं यह लड़ाई, चिन्तन के जरिये दिमागों में भी चलेगी क्योंकि आम जनता में आशा कल्पना एवं सपनों का संचार करने के लिये, पार्टी के लिये एक ''विज़न'' की जरूरत है, एक सोच की जरूरत है। कांग्रेस नेताओं को इस मूलभूत सिद्धान्त को समझना ही होगा कि कोई भी युद्ध पहले दिमाग में तथा उसके बाद जमीन पर हारा या जीता जाता है।

पार्टी की सोच एवं दृष्टि के अलावा, कांग्रेस में विचारधारा सम्बन्धी स्पष्टता एवं जमीनी लड़ाई लड़ने के लिये चुवा वर्ग को आगे लाने की कमी रहती है। कहने की जरूरत नहीं कि चुनाव जीतने के लिये, कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन की जरूरत है। एक राजनैतिक संगठन के रूप में, कांग्रेस को टेक्नोलॉजी को काम में लेने तथा प्रभावी मीडिया बन्धन की जरूरत हैं।

लेकिन अधिकांश सुस्थापित नेता, नेताओं की अगली पीढ़ी तैयार तथा उनके रास्ता देने एवं पद खाली करने के बजाय, अपनी स्थिति मजबूत एवं सुनिश्चित करने के काम में लगे रहे हैं।

आदर्श स्थिति यह होती कि वरिष्ठ नेता पीछे की सीटों पर बैठ जाते तथा सलाहकारों की भूमिका निभाते, लेकिन दुख की बात यह है कि ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के बने रहने के लिये यह बहुत जरूरी एवं महत्वपूर्ण है कि सभी नेता, बिना किसी अपवाद के, अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठे तथा बदलने कुछ पाने की अपेक्षा रखे बिना, काम करें क्योंकि पार्टी के लिये की जाने वाली यह कुर्बानी ही लोगों की नजरों में पार्टी को विश्वसनीय बनायेगी।

कांग्रेस की समस्याओं और परेशानियों का समाधान आसान काम नहीं है, क्योंकि उसके सामने एक ऐसा अजेय प्रतिद्वन्द्वी है जो अपनी विचारधारा के एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिये अच्छा-बुरा कोई भी रास्ता अपना लेता है। यही कारण है कि कांग्रेस, इसके नेताओं, इसके कार्यकर्ताओं, इसके समर्थकों अपने बने रहने के उपाय और तरीके तलाशने ही होंगे, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया जा सका तो भारत तो कांग्रेस मुक्त हो ही जायेगा, ''भारत का विचार'' भी सदैव के लिये दफन हो जायेगा।

इज़राइल से भारी मात्रा में फर्टिलाइजर्स खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, 21 फरवरी (वार्ता)। भारत में पोटाश आधारित उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए इजरायल से म्यूरेट ऑफ पोटाश (एम.ओ.पी.) खरीदने का छह साल का एक करार किया गया है। इसके तहत भारत को 2027 तक वहां से हर साल छह-साढ़े छह लाख टन एम.ओ.पी. मिलेगा।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इंडियन पोटाश लिमिटेड (आई.पी.एल.) ने यहां केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इज़रायल केमिकल्स लिमिटेड (आई.सी.एल.) के साथ 2022 से 2027 की अवधि में म्यूरेट ऑफ पोटाश (एम.ओ.पी.) की आपूर्ति के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने कहा कि यह करार देश में एम.ओ.पी. की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह कृषि उत्पादन को बढ़ावा देगा।

पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखण्ड में दोबारा मु.मंत्री बनाने का फैसला किया भाजपा ने

- **भाजपा का यह फैसला बेहद चौंकाने वाला है, क्योंकि अब तक भाजपा में किसी भी हारे हुये व्यक्ति को महत्वपूर्ण पद नहीं देने की नीति रही है**
- **गोवा में प्रमोद सावंत व मणिपुर में एन.बीरेन सिंह भी मुख्यमंत्री के रुप में रिपीट होंगे।**
- **गौरतलब है कि, पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखण्ड विधानसभा की अपनी सीट से चुनाव में हार गये थे।**
- **माना जा रहा है कि, पुष्कर सिंह धामी के सरल स्वभाव, पार्टी में उनकी स्वीकार्यता तथा केन्द्र व प्रधानमंत्री मोदी के प्रबल मैसेंजर के तौर पर काम करने की उनकी खूबियों के कारण ही भाजपा ने उन पर अपना विश्वास कायम रखा है।**

देहरादून, 21 मार्च (वार्ता)। भाजपा ने यू.पी. उत्तराखंड ,गोवा और मणिपुर चारों राज्यों में मुख्यमंत्री को रिपीट किया है। भाजपा हाईकमान ने पुराने चेहरों में विश्वास जताते हुये पिछली सरकार में मुख्यमंत्री रहे नेताओं को ही दोबारा मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया है। इसी कड़ी में भाजपा ने गोवा में प्रमोद सावंत व उत्तराखण्ड में पुष्कर सिंह धामी पर दोबार भरोसा जताते हुये उन्हें मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा है।

उत्तराखण्ड में सोमवार शाम विधानमंडल दल के नवनिर्वाचित नेता पुष्कर सिंह धामी के साथ राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से भेंट कर उन्हें अवगत कराया कि धामी को विधानमंडल दल का नया नेता चुना गया है। कौशिक ने धामी के नेतृत्व में नई सरकार मंत्रिमंडल के गठन का अनुरोध पत्र राज्यपाल को सौंपा।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, अजय भट्ट, सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, अस्थायी अध्यक्ष बंशीधर भगत, नवनिर्वाचित विधायक सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, रेखा आर्य, अरविंद पांडे और अन्य नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित थे।

गौरतलब है कि, पुष्कर सिंह धामी को आज प्रदेश भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। विधानसभा चुनाव में अपनी सीट से पराजित होने के बावजूद विधायक दल ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें फिर राज्य की बागडोर सौंपने का फैसला किया है। धामी खटीमा विधानसभा सीट से कांग्रेस नेता भुवन कापड़ी से पराजित हो गये थे।

इससे पहले रक्षा मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि धामी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। राजनाथ सिंह को विधायक दल के नेता की चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक बनाकर उत्तराखंड भेजा गया था।

इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने धामी, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, राज्य पार्टी प्रमुख मदन कौशिक सहित और अन्य पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

कई विधायकों ने धामी से फिर से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है और अपनी सीटों से इस्तीफा देने की भी पेशकश की है। भाजपा ने उत्तराखंड की 70 सीटों में से 47 सीटों पर विजय हासिल की है और करीब 44 फीसदी वोट शेयर हासिल किया था। कांग्रेस के पक्ष में 37 फीसदी वोट पड़े और पार्टी 19 सीटों पर विजयी हुई।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 11 सीटें जीती थीं और उसे लगभग 33 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि भाजपा का वोट शेयर लगभग 46 प्रतिशत था।

सुजानगढ़ तोरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिखाते है कि राजस्थान सरकार ने झूठे एवं भ्रामक तथ्य पेश कर विधानसभा अध्यक्ष को गुमराह करने का काम किया है, दोषियों को बचाया जा रहा है और इससे भगवान श्रीराम में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

दाधीच ने कहा कि गहलोत सरकार को समझ में नहीं आया कि वास्तव में मुद्दा क्या है, मुद्दा मुख्य प्रवेश द्वार को तोड़ने का नहीं बल्कि राम दरबार को गिराए जाने का है। प्रवेश द्वार 2019 में एन एच आई के अधिकार क्षेत्र से हटकर पीडब्ल्यूडी के अधिकार क्षेत्र में आता है। दाधीच ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के द्वारा ही सड़क निर्माण का टेंडर जारी किया गया, अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और जन भावना आहत नहीं हुई है तो फिर राज्य सरकार क्यों पुनः शिलान्यास कर वापस प्रवेश द्वार बनाने जा रही है। उन्होंने् आरोप लगाया कि तुष्टीकरण करने वाली गहलोत सरकार अब डैमेज कंट्रोल करने में जुट गई है।

फ्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वितरण मंत्रालय से कहा है कि वह इस स्कीम को जारी रखने पर होने वाले खर्च का आंकलन करे क्योंकि गरीब लोग अभी भी कोविड के बाद के असर की पीड़ा से बाहर नहीं आ पाये हैं।

गुलामनबी आजाद, 126 वर्षीय योग गुरु व गीता प्रैस के राधे श्याम खेमका पद्म पुरस्कार से सम्मानित हुये

चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ बिपिन रावत का पद्म विभूषण सम्मान उनकी दोनों बेटियों ने ग्रहण किया

- **राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव एवं सी.ए.जी. राजीव महर्षि को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।**
- **राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 64 गणमान्य हस्तियों को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ष 2022 के पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किया।**

नई दिल्ली, 21 मार्च (वार्ता)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले 64 गणमान्य लोगों को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ष 2022 के पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किया।

कोविंद के हाथों पद्म अलंकरण पाने वालों में पूर्व रक्षा प्रमुख (चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ/सी.डी.एस.) जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और गीता प्रैस के दिवंगत अध्यक्ष राधे श्याम खेमका, कांग्रेस के नेता गुलाम नबी आजाद, टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के पूर्व अधिकारी एवं सी.ए.जी. राजीव महर्षि, कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली पुणे की कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अदार पूनावाला शामिल हैं।

पद्म पुरस्कारों में सबसे ज्यादा चर्चित रहा 126 वर्षीय योग गुरु शिवानंद को पद्म पुरस्कार दिया जाना। जब 126 वर्षीय शिवानंद ने प्रधानमंत्री मोदी को शाष्टांग प्रणाम किया तो प्रधानमंत्री मोदी भी उनके सम्मान में पूरी तरह से झुक गये और जमीन को छूकर हाथ जोड़कर शिवानंद को प्रणाम किया और पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने के लिए बधाई दी। समारोह में दो हस्तियों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 54 को पद्मश्री से अलंकृत किया गया है। सी.डी.एस. रावत और खेमका को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। गुलामनबी आजाद, महर्षि, पुनावाला, चंद्रशेखरन, पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा (मरणोपरांत) सहित आठ लोगों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

जनरल रावत का प्रशस्ति पत्र एवं अलंकरण उनकी बेटी कृतिका और तारिणी तथा खेमका का पुरस्कार उनके पुत्र कृष्ण कुमार ने राष्ट्रपति के हाथों प्राप्त किया।

शरद यादव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सतीश चन्द्र दुबे, विवेक ठाकुर, गोपाल नारायण सिंह तथा आर.सी.पी. सिंह का भी कार्यकाल पूरा हो रहा है। छठा रिक्त स्थान, जे.डी. (यू) सदस्य महेन्द्र प्रसाद जो राजा महेन्द्र के नाम से विख्यात थे, के निधन के कारण रिक्त हुआ है। बिहार विधानसभा में, अपनी विधायक संख्या के आधार पर, आर.जे.डी. दो सदस्य राज्यसभा में भेज सकती है। यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि इनमें से एक सीट तो आर.जे.डी. के प्रथम परिवार मीसा भारती या राबड़ी देवी को दी जायेगी। कुल मिलाकर शरद यादव ने शेष बची एक सीट के लिये दांव लगाया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908